डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 192 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 28 अप्रेल 2025 | मूल्य 2 रुपया

एक किलो अफीम के साथ युवक गिरफ्तार

नीमच, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कैंट थाना पुलिस ने रविवार को अफीम तस्करी के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मुखबीर सूचना पर पुलिस ने भरभड़िया चौराहे पर नाकाबंदी की। पुलिस ने महिंद्रा केयूवी कार नंबर आरजे 06 यूबी 4667 की तलाशी ली। कार से एक किलो अवैध अफीम बरामद हुई। कार चालक बंटी उर्फ बंटू पिता कन्हैयालाल को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी गुर्जर खेड़ी जावद का निवासी है। कैंट थाना प्रभारी श्रीमती पुष्पा चौहान के अनुसार मुखबीर से सूचना मिली थी कि भरभड़िया चौराहे के पास एक संदिग्ध वाहन में अवैध मादक पदार्थ ले जाया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

BLACK SUNDAY

बिना मुंडेर कुएं ने फिर ली... 12 लोगों की जान

हत्यारे कुओं के मालिकों पर सख्त कार्यवाही की दरकार

❊ बाइक से टकराकर बिना मुंडेर के कुएं में गिरी थी कार, चार जाने बचाई ❊ बाइक सवार और कुएं में लोगो को बचाने गए व्यक्ति की भी मौत ❊ लोमहर्षक घटना के बाद एक बार फिर प्रशासन करेगा कठोर कार्यवाही का दिखावा

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। बिना मुंडेर का कुआ एक बार फिर 12 लोगो की जान लेकर हत्यारा बना। कहीं न कहीं जिम्मेदारों की लापरवाही फिर से 12 लोगों की मौत का कारण बनी। मामला है बिना मुंडेर के कुएं में वेन के गिरने से हुए हादसे का। नारायणगढ़ थाना क्षेत्र के बूढ़ा-टकरावद फंटे पर एक वेन बाइक सवार को टक्कर मारकर बिना मुंडेर के कुएं में जा गिरी। जिससे वेन में सवार 12 लोगो की मौत हो गई। इसमें महिलाएं भी शामिल है। मृतकों में बाइक सवार और कुएं में वेन सवारों को बचाने उतरे एक व्यक्ति की भी मौत हो गई। इसके अलावा हादसे में बच्चों सहित चार लोगो का बचा लिया गया है। जिनका बड़े अस्पताल में उपचार चल रहा है। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, डीआईजी मनोजसिंह, कलेक्टर अदिती गर्ग और पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद सहित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे।

हादसा रविवार दोपहर करीब सवा एक बजे हुआ। वेन में चालक सहित 14 लोग सवार थे, जो उज्जैन जिले के उन्हेल से नीमच जिले के मनासा क्षेत्र के आंतरी माता मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। इस दौरान कार एक बाइक से टकराई और बिना मुंडेर के कुएं में जा गिरी। इस घटना में बाइक सवार सीतामऊ क्षेत्र निवासी गोबरसिंह की मौत हो गई। इधर घटना के बाद ग्रामीण मनोहरसिंह निवासी संजीत कार सवारों को बचाने के लिए कुएं में उतरा। उसने दो लोगो को बचा भी लिया था। लेकिन जहरीली गैस के कारण दम घुटने से उसकी भी मौत हो गई।

डिप्टी सीएम बोले- पहले बच्चों को निकाला...

सूचना के बाद मौके पर पहुंचे उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि इस हादसे में कुल 14 लोग शामिल थे, जिनमें दो बच्चे भी थे। पहले बच्चों को निकालकर अस्पताल भेजा गया। गाड़ी बड़ी मुश्किल से बाहर लाई गई है। कार से गेस रिवास हुआ या कुएं की जहरीली गैस के कारण बचाने गए मनोहर सिंह की भी मौत हुई है। उन्होंने 2-3 लोगों को बाहर निकाला था। मुझे जैसे ही घटना के बारे में पता चला मैं सीधा यहीं आ गया।

हत्यारे कुओं पर कठोर कार्यवाही की जरूरत...

12 लोगों की हादसे में मौत नहीं, बल्कि लापरवाही ने इनकी हत्या की है। मौत का कारण रहा बिना मुंडेर का कुआ। बिना मुंडेर के कुएं में एक दर्जन से ज्यादा हादसे कुछ ही सालों में हुए है। इसमें कई बड़े हादसे शामिल है। हर बार हादसों के बाद प्रशासन औपचारिकता निभाते हुए निर्देश जारी करता है। कुछ दिनों बाद मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। कलेक्टर अदिती गर्ग से पूर्व पदस्थ कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने भी हादसों के बाद सख्ती दिखाई थी। कई जगहों पर बिना मुंडेर के कुआं मालिकों पर एफआईआर हुई। लेकिन, बाद में प्रशासनिक अधिकारियों ने पलटकर नहीं देखा कि मुंडेर बनी या नहीं।

बड़ी संख्या में है बिना मुंडेर के कुएं...

पूर्व कलेक्टर शशांक मिश्र ने अभियान चलाकर 75 बिना मुंडेर के कुएं चिन्हित किए थे। उनके बाद कलेक्टर संजीवसिंह ने भी इस दिशा में कदम उठाए और एसडीएम को कार्रवाई के निर्देश दिए। एक हादसे के बाद तत्कालीन कलेक्टर मनोज पुष्प ने भी कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। लेकिन, अधिकारियों ने निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया। दस माह पहले कलेक्टर दिलीप कुमार यादव की सख्ती का असर दिखा। थानों में एक दर्जन से ज्यादा कुआ मालिकों के खिलाफ धारा 188 के तहत एफआईआर भी हुई। लेकिन, एफआईआर कराने के बाद अधिकारियों ने पीछे मुड़कर यह नहीं देखा कि कुओं की मुंडेर बनी है या नहीं।

आंकड़ो में 94, हकीकत में 400 से ज्यादा...

जिले में बिना मुंडेर वाले कुओं से होने वाली दुर्घटनाएं रोकने के लिए प्रशासन कितना गंभीर है, यह इसी से पता चलता है कि कुछ साल पहले सर्वे में जिले में कई खतरनाक कुओं को चिन्हित करने के बाद भी कुछ नहीं हो सका है। खेतों की ओर जाती पगडंडियों, राजमार्गों सहित जिले के कई मार्गों के आसपास बिना मुंडेर के कुओं की वजह सेकई लोगों की मौत हो चुकी है। 16 नवंबर 2016 को ग्राम देवरी में बिना मुंडेर के कुएं में कार गिरने से तीन लोगों की जान गई तो अधिकारी हरकत में आए और सर्वे कराया। 94 बिना मुंडेर वाले कुएं चिन्हित किए। हालांकि, यह संख्या हकीकत में चार सौ से अधिक है। उस समय कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देशों केबाद एफआईआर तो हुई लेकिन, यह आंकड़ा किसी के पास नहीं है कि बिना मुंडेर के कुएं अब कितने बचे हैं?

इन लोगों की हुई मौत...

मृतकों के नाम- ❊ बलराम पिता हेमराज की उम्र 25 वर्ष निवासी डाबी पिपलिया उन्हेल उज्जैन ❊ नागु सिंह पिता उदा पटेल जाति कीर उम्र 35 वर्ष निवासी जोगी पिपलिया रतलाम ❊ रामी बाई पति पूरालाल कीर उम्र 60 साल निवासी खोजन खेड़ा रतलाम ❊ कान्हा पिता मानसिंह कीर उम्र 40 साल निवासी जोगी पिपलिया बडावदा रतलाम ❊ श्यामलाल पिता पूरा लाल कीर उम्र 30 साल निवासी खोजन खेड़ा रतलाम ❊ आशा पति राकेश कीर उम्र 30 साल निवासी खोजन खेड़ा रतलाम ❊ मंगू बाई पति दुल्ला जी कीर 50साल निवासी खोजन खेड़ा रतलाम ❊ मनोहर पिता शीतल सिंह निवासी - दोरवाड़ी (नारायणगढ) उम्र - 42 ❊ धर्मेंद्र सिंह पिता मदन सिंह राजपूत उम्र 39 वर्ष निवासी खोजन खेड़ा थाना बडावदा जिला रतलाम ❊ पवन पिता दुल्ला जी कीर उम्र 30 साल निवासी खोजन खेड़ा रतलाम ❊ मधु पति मनोहर गहलोत जाति कीर उम्र 30 साल निवासी हरिया खेड़ी उज्जैन ❊ गोवर्धन पिता देवी सिंह राजपूत उम्र 65 साल निवासी आबा खेड़ी थाना नाहरगढ (यह बाइक वाला है)

इन्हें सुरक्षित बचाया गया- ❊ देवेंद्र पिता मनोहर गहलोत जाति कीर उम्र करीब 10 वर्ष निवासी हरिया खेड़ी उज्जैन ❊ मुकेश पिता बगदीराम जाति कीर उम्र 28 वर्ष निवासी जोगी पिपलिया थाना बड़ावदा जिला रतलाम ❊ माया पति बलराम जाति कीर उम्र 26 वर्ष निवासी पिपलिया डाबी थाना उन्हेल जिला उज्जैन ❊ प्रियांशी पिता बलराम उम्र 3 साल निवासी पिपलिया डाबी थाना उन्हेल उज्जैन।

सर्वाधिक कुओं का रिकार्ड अविभाजित मंदसौर के नाम...

एक समय यह कहा जाता था कि पूरे देश में सर्वाधिक कुओं का रिकार्ड अविभाजित मंदसौर जिले के नाम था। बाद में ट्यूबवेल प्रचलन में आने से नए कुएं खुदना बंद हो गए। लेकिन, पुराने कुएं व बावड़िया भी रखरखाव के अभाव में दुर्घटना का कारण बनने लगी। मंदसौर शहर में भी कई बावड़िया व बारहमासी कुओ को भूमाफियाओ ने जमींदोज कर दिया।

खेतो के बीच स्थित कुए भी बनते है दुर्घटना का कारण...

खेतो व दो खेतो की मेड़ के पास स्थित कुएं भी दुर्घटना का कारण बनते है। लेकिन, उनकी चर्चा नहीं हो पाती है। क्योंकि, खेत मालिक के परिजन ही अधिकतर दुर्घटना के शिकार होते है। ऐसे में यह दर्शाया जाता है कि कुएं के किनारे खेलते हुए बच्चे कुएं में जा गिरे। या पानी पीने उतरे युवक अथवा महिला का पैर फिसला और कुएं में जा गिरे, जिससे मौत हो गई। इसलिए यह आवश्यक है कि कुआ कहीं भी हो, बिना मुंडेर का नहीं होना चाहिए।

जीने के लिए जरूरी हुई मशीनें

तापमान के साथ चमका इलेक्ट्रॉनिक बाजार

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मई-जून से पहले ही रौद्र रूप दिखा रही गर्मी के तेवर ने जीवन जीने के लिए मशीनों को अनिवार्य कर दिया है। हम बात कर रहे हैं एसी, कूलर और पंखों की। बढ़ते तापमान के साथ ही शहर में एसी और कूलर की मांग बढ़गई है। तापमान के 42 डिग्री के पार पहुंचने से लोगों को गर्मी से राहत पाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार और शोरूम का रुख करने पर मजबूर कर दिया है। पिछले साल के मुकाबले मांग बढ़ने से दुकानदारों और मैकेनिको के लिए यह सीजन कमाई का सुनहरा मौका बन गया है। इधर मांग बढ़ने से दुकानदारों को आपूर्ति करने में अभी से ही परेशानी आ रही है।

शहर के इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम संचालकों के अनुसार बीते 15 दिनों में एसी और कूलर की बिक्री में 20 से 25 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। इसके चलते इन्वर्टर, लो पावर एसी, साइलेंस ऑपरेशन वाले कूलर और स्मार्ट कूलिंग सिस्टम वाले फ्रीज व अन्य उत्पादों की मांग अधिक है। दुकानदारों ने गत वर्ष के हिसाब से तैयारी की थी। मांग बढ़ने से स्टॉक समाप्त हो गया है। कंपनियों को नया आर्डर देना पड़ रहा है। शहर में करीब 40-50 इलेक्ट्रॉनिक्स शो-रूम हैं। ऐसे में बीते एक सप्ताह में एसी, कूलर व फ्रीज का करीब 20 लाख से अधिक के कारोबार की संभावना जताई जा रही है।

अच्छे कारोबार की उम्मीद...

इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबारी तरुण गोयल ने कहा गत वर्ष के मुकाबले इस वर्ष सूरज ने अपने तेवर जल्दी दिखाना शुरू कर दिए है। इस वर्ष तापमान अधिक होने से गर्मी से राहत देने वाले उपकरणों की मांग में बढ़ी है। इस वर्ष सीजन में अच्छे कारोबार की उम्मीद है।

फैक्ट फाईल

एसी की बिक्री- 30 से 40
एसी की औसत कीमत- 30 हजार रुपए
एसी का कारोबार- करीब 9 लाख
कूलर की बिक्री- 90-100
कूलर की औसत कीमत- पांच से सात हजार
कूलर का कारोबार- छह लाख
फ्रीज की बिक्री- 40 से 50
फ्रीज की औसत कीमत- करीब 12 हजार रुपए
फ्रीज का कारोबार- पांच लाख

रोज सात-आठ घरों में एसी इंस्टालेशन...

कारोबारियों के अनुसार इस वर्ष मांग बढ़ने से कंपनियों को नए ऑर्डर भेजना पड़ रहे हैं। परंतु उनकी आपूर्ति समय पर नहीं हो पा रही है। इसके चलते उपभोक्ता को समय पर सामान पहुंचाने में परेशानी आ रही है। इस बार जुलाई और अगस्त तक अच्छे व्यवसाय की उम्मीद है।

एसी मैकेनिक दिनेश शर्मा ने बताया कि इस बार एसी इस्टॉलेशन का काम बढ़ा है। रोज 10 से 15 घंटे तक काम करना पड़ रहा है। इसके अलावा कूलर और पंखे सहित फ्रीज सुधारने के लिए भी बढ़ी संख्या में कॉल आ रहे हैं। सुबह 09 बजे से काम शुरू करते हैं तो रात के 11 बजे तक लगे रहते हैं।

त्यौहारी ग्राहकी- शादी-विवाह एवं अन्य मांगलिक कार्यक्रमो के लिए अबूझ मुहूर्त आखातीज 30 अप्रैल को है। इसे लेकर रविवार को भी शहर के बाजारो में अच्छी ग्राहकी देखी गई।

केंद्र सरकार का एक और सख्त फैसला...

पाकिस्तानी हिंदुओं की चारधाम यात्रा पर रोक

देहरादून, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तानी नागरिकों की चारधाम यात्रा पर रोक लगा दी है। सरकार के इस फैसले के बाद चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके 77 पाकिस्तानी हिंदू श्रद्धालु अब यात्रा नहीं कर पाएंगे।

चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। अब तक कुल 21 लाख से अधिक लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है। यात्रा में भाग लेने के लिए विदेशों से भी 24 हजार 729 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। खास बात यह है कि इस यात्रा में शामिल होने के लिए पाकिस्तान से भी 77 श्रद्धालुओं ने अपना नाम दर्ज कराया था। दरअसल, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सरकार सख्त है। इस हमले के बाद केंद्र सरकार ने त्वरित फैसला लेते हुए पाकिस्तानी श्रद्धालुओं को यात्रा की अनुमति नहीं देने का निर्णय लिया। सुरक्षा कारणों से एहतियात के तौर पर यह निर्णय लिया गया है। इस वर्ष 100 से अधिक देशों के लोगों ने यात्रा में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया है। पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी को लेकर प्रशासन ने आवश्यक कदम उठा उन्हें सुरक्षित तरीके से देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं, अन्य विदेशी श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा व्यवस्था और कडी कर दी गई है। बता दें कि 30 अप्रैल आखा तीज से उत्तराखंड में चारधाम यात्रा की शुरुआत होने जा रही है। यात्रा को लेकर प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। हर साल की तरह इस बार भी बाबा केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। यात्रा के दौरान केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवाएं 2 मई से शुरू होंगी, जब धाम के कपाट खुलेंगे।

पेट्रोल-डीजल टैंक में चोरी का प्रयास

प्रधान आरक्षक ने मचाया शोर, आरोपी युवक भागे

रतलाम, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिले में बांगरोद स्थित आईओसीएल (इंडियन ऑइल कार्पोरेशन लिमिटेड) डीपो से मंदसौर पुलिस पेट्रोल पंप पर जा रहे टैंकर से पेट्रोल-डीजल चोरी के प्रयास का मामला सामने आया है। टैंकर के ड्राइवर ने सेजावता-बांगरोद रोड के एक ढाबे के पीछे ले जाकर टैंकर खड़ा किया तभी दो युवक उसमें से पेट्रोल-डीजल चोरी करने पहुंचे। पीछे कार लेकर चल रहे मंदसौर पुलिस के प्रधान आरक्षक ने शोर मचाया तो दोनों युवक भाग निकले। इसमें शामिल टैंकर का ड्राइवर भी मौके से भाग निकला। ड्राइवर व दोनों अज्ञात युवकों के खिलाफ बांगरोद चौकी पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है।

बांगरोद चौकी पुलिस के अनुसार मंदसौर में पुलिस लाइन के पास मंदसौर पुलिस वेलफेयर सोसायटी का पेट्रोल पंप है। वहां से बांगरोद स्थित आईओसीएल डीपो को 05 हजार लीटर डीजल और 05 हजार लीटर पेट्रोल भेजने का ऑनलाइन ऑर्डर दिया गया था। टैंकर आरजे 19 जीजी 8327 में भरकर पेट्रोल-डीजल ले जाया जा रहा था। पीछे कार से मंदसौर पुलिस के प्रधान आरक्षक विजय भारती भी चल रहे थे। उन्होंने देखा कि रास्ते में ड्राइवर ने टैंकर सेजावता-बांगरोद के एक ढाबे के पीछे खड़ा कर दिया। प्रधान आरक्षक भारती ने रिपोर्ट में बताया है कि टैंकर खड़ा होते ही दो युवक उसमें से पेट्रोल-डीजल निकालने के लिए आए। मैंने आवाज लगाई तोदोनों युवक भाग निकले। टैंकर का ड्राइवर भी मौके से भाग निकला। ये युवक टैंकर से पेट्रोल-डीजल नहीं निकाल पाए। वरिष्ठअधिकारियों को जानकारी दी है।

चौकी प्रभारी शांतिलाल चौहान ने बताया कि दो अज्ञात युवक और टैंकर ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। चोरी रोकने हमारी लगातार चौकसी चल रही है। पुलिस कप्तान अमित कुमार के निर्देश पर लगातार सख्ती से गश्त की जा रही है। ढाबों पर होने वाली पेट्रोल-डीजल चोरी को रोकने के पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। कारवाई भी लगातार की जा रही है। रात्रिकालीन गश्त और बढाई जाएगी।

विचार-मंथन

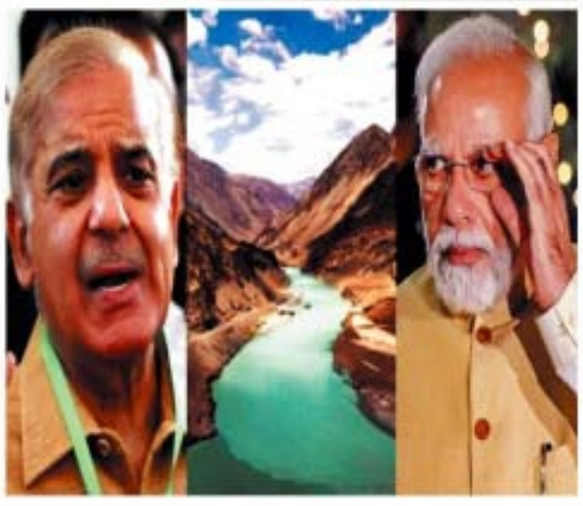

आतंक पर आर-पार की तैयारी...

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले का स्वरूप ऐसा है कि भारत सरकार के लिए इस मसले पर ठोस कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। इसलिए भारत ने इस बर्बर घटना के बाद सख्त कदम उठाते हुए अगर पाकिस्तान को साफ संदेश दिया है तो यह स्वाभाविक है। यह जगजाहिर हकीकत है कि भारत में आतंकवादी गतिविधियों के पीछे पाकिस्तान की क्या भूमिका रही है। इसलिए भारत के सामने अब एक तरह की मजबूरी आ खड़ी हुई है कि वह आतंकवाद और उसे शह देने वाले देश के खिलाफ नीतिगत स्तर पर कोई ठोस कदम उठाए। इसी क्रम में गुरुवार को भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध कई कड़े कदम उठाने की घोषणा की। इनमें पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा पर पाबंदी, दूतावास में राजनयिक कर्मचारियों की संख्या में कटौती, अटारी-वाघा सीमा को बंद करना और सबसे अहम छह दशक पुरानी सिंधु जल संधि के क्रियान्वयन को निलंबित करना शामिल है। जाहिर है, भारत की ओर से आतंक के विरुद्ध उठाए गए ये कदम पाकिस्तान को नागवार गुजरेंगे, लेकिन सच यह है कि लंबे समय से भारत में आतंकवाद की समस्या को और ज्यादा जटिल बनाने में पाकिस्तान की जो भूमिका रही है, उसने कई स्तर पर मुश्किलें खड़ी की हैं। दूसरी ओर, आतंकवाद को बढ़ावा देने में अपने भूमिका पर शर्मिंदा होने के बजाय पाकिस्तान इस मसले पर आमतौर पर अपनी हठधर्मिता ही प्रदर्शित करता रहा है। इस बार भी जब भारत ने कुछ सख्ती दिखाई तो हकीकत स्वीकार करने के बजाय पाकिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई के तौर पर भारत के साथ द्विपक्षीय शिमला समझौते को निलंबित करने, हवाई क्षेत्र और सीमाओं को बंद करने जैसे कुछ कदम उठाने की घोषणा कर दी। सवाल है कि ऐसा करके पाकिस्तान क्या साबित करना चाहता है। पहलगाम में आतंकी हमला आतंकवादियों के अपने एजेंडे के लिए क्रूरता की हर हद को पार करने की मंशा का सबूत है। वरना क्या कारण है कि कश्मीर गए जिन पर्यटकों का उद्देश्य वहां घूमना-फिरना और प्रकृति के सौंदर्य के बीच खुशी के कुछ पल गुजारना था, उन्हें भी मार डालने में आतंकियों को कोई हिचक नहीं हुई। इस हमले का एक सीधा असर जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ पर चोट भी है। सवाल है कि इस तरह की क्रूरता करके आतंकवादी किसके हित में काम कर रहे हैं। समय-समय पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत सबूतों के साथ आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा करता रहा है। मगर पाकिस्तान हर बार इसे महज आरोप बताता है। जबकि भारतीय सीमा में घुसपैठ से लेकर आए दिन होने वाले आतंकी हमलों में पाकिस्तान के संरक्षण के तथ्य सामने आते रहे हैं। फिलहाल पाकिस्तान जल संकट से दो-चार है और ऐसे में अगर भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने की घोषणा की है तो इससे पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ेंगी। पहलगाम में पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी और उसमें काफी लोगों की मौत के बाद भारत ने जो सख्त कदम उठाने की घोषणा की है, उसमें यह संदेश साफ है कि अगर पाकिस्तान आतंक के रास्ते भारत को अस्थिर करने और निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले आतंकवादी संगठनों को समर्थन और शह देना जारी रखता है तो उसे इसके नतीजे भी भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए।

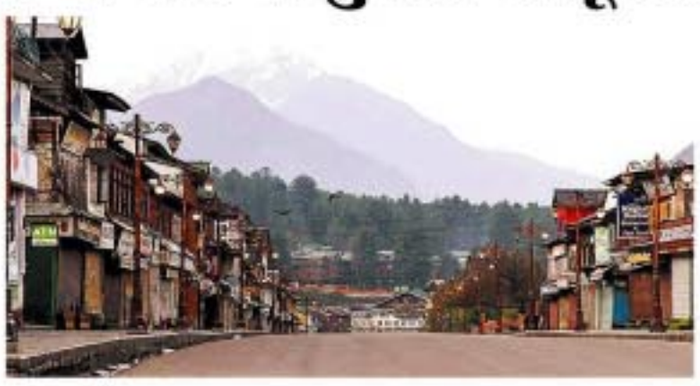

घाटी में बहे बेगुनाह लहू से गुस्से में देश...

उमेश चतुर्वेदी

कश्मीर घाटी में पिछले कुछ वर्षों में सिर्फ परिंदे ही नहीं चहचहा रहे थे, बल्कि देश-दुनिया से आए सैलानी भी यहां की खूबसूरती में अपना सहयोग दे रहे थे..वे भी परिंदे की तरह घाटी के कैनवस को और ज्यादा खूबसूरत बना रहे थे..यह खूबसूरती पाकिस्तान परस्त उन आतंकियों को नहीं देखी गई, जिनके लिए कश्मीर गले की नस की तरह है। अपने गले की इस नस को बचाने के लिए आतंकियों ने बाइस अप्रैल का दिन चुना, और 26 बेगुनाह लोगों का रक्त घाटी की हरियाली चादर पर बिछा दिया..ये प्राकृतिक रंग होता तो धानी कैनवस पर खूबसूरत होता..लेकिन लहू का सुर्ख रंग कभी खूबसूरती का सबब नहीं बनता..वह वीभत्सता का जरिया बनता है..जब किसी बेगुनाह का लहू जब धरती पर गिरता है तो वह क्षोभ और क्रोध का जरिया बन जाता है..बेशक यह लहू सूख जाता है, लेकिन उसकी तासीर मानवता के दिल और दिमाग में कहीं गहरे तक रच जाता है..उसे धरती पर बहाने वाले के लिए वही सैलाब बन जाता है और उस सैलाब में एक दिन उसे बहाने वाले बह जाते हैं। पहलगाम की धरती पर गिरा खून सूख चुका है..लेकिन वह भारत की असंख्य आंखों में उतर आया है..जब खून किसी की आंखों में उतर आता है तो उसका अंजाम बहुत भयानक होता है..भयानक उसके लिए, जिसकी वजह से वह आंखों में उतर आता है...तब उन आंखों का पानी धीरे-धीरे मरने लगता है और

उसकी हर सूखी बूंद से उपजा सैलाब कहर बन कर टूटता है। भारत की असंख्य आंखों की सूख रही बूंदों से वही सैलाब उमड़ने वाला है। बिहार के मधुबनी में प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि घाटी में बेगुनाह खून बहाने वालों का पीछा किया जाएगा, उन्हें खोज निकाला जाएगा और दंडित किया जाएगा..दरअसल उसी सैलाब की निशानी है.. अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 का खात्मा होने के बाद घाटी धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी थी, कुछ पिछली सदी के नब्बे के दशक से पहले की स्थिति में आने लगी थी। घाटी में परिंदों की चहचहाहट के साथ ही सैलानियों के तराने गूंजने लगे थे। इसके साथ घाटी में खुशहाली लौट रही थी। पत्थर थामने और सेना पर उन्हें उछालने वाले हाथों में कहीं पतवार तो कहीं घोड़े की लगाम तो कहीं सैलानियों को राह दिखाने वाले जज्बात आने लगे थे। कश्मीर की कालीनों को एक बार फिर रंग मिलने लगा था, उन्हें कद्रदानों की बाढ़ आने लगी थी...कश्मीर के केसर की रंगत और सुगंध दूर तक फैलने लगी थी..घाटी के मेवे की पहुंच एक बार फिर दुनिया के बाजारों तक होने लगी थी..लेकिन कंगाली के दरवाजे पर खड़ा पाकिस्तान और उसके सैनिक आकाओं को यह खुशहाली पसंद नहीं आई। इसके बाद उन्होंने द रेसिस्टेंस फ्रंट के आतंकवादियों को आगे किया और पहलगाम में 24 भारतीय और दो विदेशी नागरिकों को मौत के घाट सुला दिया। भारतीय सेना की वर्दी में आए आतंकियों ने पुरुषों से कलमा पढ़ने को कहा। उनके धर्म पूछे और हिंदू बताते ही उनके सिरों को गोलियों से उड़ा दिया। इस कुकृत्य का शिकार बना भारतीय नौसेना का एक लेफ्टिनेंट, जिसकी महज छह दिन पहले ही शादी हुई थी...भारतीय वायुसेना का एक जांबाज, कानपुर का महज दो महीने पहले विवाहित एक जवान। एक मासूम बच्चे के सामने ही उसके पिता का खून बहा दिया गया। इस्लाम के नाम पर की गई इन हत्याओं के बाद आतंकी बोलते हुए चले गए कि मोदी को बता देना कि कश्मीर घाटी में जबरदस्ती बसाए जा रहे लोगों का यह बदला है... महज दो महीने और छह दिनों का सुहाग अपने मासूम आंखों के सामने उजड़ना कैसे बर्दाश्त होगा, उन मासूम लड़कियों के दिलों पर क्या गुजरेगी, इसका ध्यान उन खूनी दरिंदों ने एक बार भी नहीं सोचा। इस्लाम के नाम पर इंसानियत का कत्ल करते वक्त उनके हाथ नहीं कांपे, ट्रिगर दबाने वाली उंगलियां नहीं थरथराईं..ऐसे में कैसे माने कि इस्लाम के अनुयायी ऐसे भी हो सकते हैं? इन मासूस हत्याओं के बाद भारत में उबाल है। भारत इसका बदला चाहता है। भारत ने कुछ कदम उठाए भी हैं। 1960 से लागू सिंधु नदी जल समझौता रोक दिया गया है। अटारी सीमा को बंद कर दिया गया है, भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को वापस लौटने को कह दिया गया है। सार्क के सदस्य देशों के लिए मिलने वाला विशेष वीजा रोक दिया गया है। पाकिस्तान के साथ कारोबार थम गया है। पाकिस्तान की जीवन रेखा है सिंधु और उसकी सहायक नदियों से मिलने वाला पानी। इन नदियों का करीब अस्सी फीसद पानी पाकिस्तान को मिलता है। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध की खेती इसी पानी के दम पर लहलहाती है। पाकिस्तान के कई शहरों की प्यास भी यही पानी बुझाता है। पहले से कंगाली झेल रहे पाकिस्तान के लिए भारत की ओर से लगे ये प्रतिबंध उसकी परेशानी ही बढ़ाएंगे। दिखावे के लिए पाकिस्तान को भी कुछ कदम उठाने ही थे। उसने भी उठाए हैं, मसलन हवाई सीमा भारतीय विमानों के लिए बंद कर देना और कारोबार रोकना। लेकिन भारत की तुलना में उसकी अर्थव्यवस्था कुछ भी नहीं है। ऐसे में उसकी माली हालत खराब होना स्वाभाविक है। आम भारतीय सिर्फ इन्हीं उपायों से ही संतुष्ट नहीं है। भारत का नागरिक इजरायल की तरह की कार्रवाई का खुलेआम समर्थन कर रहा है। अपने नागरिकों के खून का बदला खून से लेना चाहता है। पुलवामा के बाद जिस तरह भारत सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक की थी, उस तरह के हमले की उम्मीद भारतीय जनता कर रही है। अगर मोदी सरकार ऐसे फैसले लेती है, भारतीय सैनिक अपने नागरिकों के लहू का इंतकाम लेते हैं तो भारतीय लोगों का गुस्से पर पानी पड़ सकता है। लोकतांत्रिक सरकारें जनभावना को समझती हैं, उसके दबाव में भी होती हैं,लेकिन वे जनता की सोच को ठीक उसी तरह जमीन पर नहीं उतार सकतीं। प्रधानमंत्री मोदी की जो कार्यशैली है, उसमें वे क्या करने वाले हैं, इसका अंदाजा लगाना आसान नहीं है। लेकिन एक बात का अंदाजा जरूर लगाया जा सकता है कि लहू का बदला उनकी सरकार अपने तरीके से जरूर लेगी। कश्मीर घाटी में पहली बार दिख रहा है कि इन हत्याओं के खिलाफ लोग उठ खड़े हुए हैं।

क्यों चुभती है किसी की सफलता?

बुलाकी शर्मा

आज भी यह रहस्य ही लगता है कि कुछ लोग किसी की सराहना या प्रशंसा करने में कंजूसी क्यों करते हैं! किसी के लिए प्रशंसा के दो शब्द बोलना उन्हें दो कुंतल वजन उठाने से भी ज्यादा भारी क्यों लगता है? ऐसे लोगों से जल्दी किसी की प्रशंसा नहीं होती और औपचारिकतावश करनी भी पड़ जाए तो प्रशंसा की जगह कमियां बताकर उसे हतोत्साहित कर आनंद का अनुभव करेंगे। इस संदर्भ की व्याख्या पर विचार करें तो एक प्रसंग याद आता है। एक परिचित की बेटी का राज्य प्रशासनिक सेवा में चयन हुआ। घर-परिवार के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि थी और सभी बेहद खुश थे। सगे-संबंधी, मित्र-रिश्तेदार, आस-पड़ोस के सभी लोग बधाई देने पहुंच रहे थे और वे हर्षित भाव से बधाइयां स्वीकारते हुए सबका मुंह मीठा करा रहे थे। बधाइयों के औपचारिक-अनौपचारिक माहौल के बीच परिचित के एक निकट संबंधी पधारे। उन्होंने बधाई देने की औपचारिकता भी नहीं निभाई और आते ही परिचित की बेटी से सवाल किया कि तुम्हें कौन-सी रैंक आई है, तो उसने खुश होते हुए जवाब दिया- 'मेरा पहला प्रयास ही था। फिर भी सत्तानवेवीं रैंक आई है। खुद से ही पढ़ाई की है मैंने।' वे अंकल अफसोस करने लगे, 'ओह, फिर तो अधीनस्थ सेवा में नंबर आएगा तुम्हारा। मेरे एक मिलने वाले का बेटा पंद्रहवीं रैंक लाया है। उसका प्रशासनिक सेवा में जाना तय है। खैर, अगली बार कोशिश करना।' इस तरह की अवांछित सलाह सुनकर खुशियों से खिलखिलाता परिचित की बिटिया का चेहरा मुरझा गया और परिजन भी बहुत दुखी हुए, लेकिन वे सबको दुखी करते हुए संतुष्ट भाव से वहां से निकल लिए। बाद में परिचित से पता चला कि उनके बेटे ने यह प्रतियोगी परीक्षा चौथी बार दी थी, लेकिन वह एक बार भी साक्षात्कार में बुलाने जितने अंक लाने में असफल रहा। गौर किया जाए तो ऐसी रुग्ण मानसिकता के लोग हमें अपने आसपास मंडराते दिख जाएंगे। दूसरों की खुशियां और उपलब्धियां देख उन्हें ईर्ष्या होती है। उन्हें लगता है जैसे दूसरों ने उनके घर डाका डालकर यह हासिल किया है। अपनी अकुशलता, अक्षमता, लक्ष्य के प्रति उदासीनता, अव्यवस्थित दिनचर्या, अनुशासनहीनता जैसी अपनी कमियां दूर कर स्वयं में सुधार करने की वे जरूरत नहीं समझते, क्योंकि वे स्वयं को, किसी तरह की कमियों से मुक्त, सर्वगुणसंपन्न मानते हैं और दूसरों को कमियों की खान मानते हुए उन पर दोषारोपण कर तृप्ति का अहसास करते हैं। 'कमी-प्रिय' ऐसे लोगों का कोई भी प्रिय नहीं होता। उन्हें सबमें ही कोई न कोई कमी नजर आती है। अपने घर में भी वे हर किसी में नुक्स निकालने में लगे रहते हैं। घर का नन्हा बच्चा अगर हाथी का चित्र बनाकर उल्लसित भाव से उनके सामने दिखाएगा तो उसे शाबाशी देने की जगह ऐसा व्यक्ति कहेगा कि 'हाथी की सूंड इतनी छोटी होती है क्या? तुम्हारी टीचर कुछ सिखाती भी है या वह भी ढपोरशंख है तेरी तरह।' बच्चा रोनी सूरत बनाए खिसक जाएगा और वे मंद-मंद मुस्कुराएंगे। पत्नी द्वारा बनाए खाने में कमी निकाले बिना उन्हें खाना हजम नहीं होता। सब्जी में कभी मिर्च-नमक ज्यादा बताएंगे, कभी कम। रोटी पर जलने के हल्के-से निशान दिख गए, तो फरमाएंगे कि 'रोटी पर चांद-तारे चमचमाहट कर रहे हैं। जली रोटी बनाने में महान हो तुम देवी।' इस तरह कमतर ठहराना या खिल्ली उड़ाना उनके स्वभाव में घुला होता है। राजस्थानी की एक लोककथा है। एक नगर सेठ था। सबसे बड़ा धनी। कई नगरों में व्यापार। सब जगह बड़ी-बड़ी हवेलियां। सैकड़ों बीघा खेत-खलिहान। बीसों नौकर। इतना सब होते हुए भी वह हर समय दुखी रहता। वैद्य-हकीमों की दवा भी बेअसर। एक बार एक महात्मा भ्रमण करते हुए उस नगर में पधारे। लोगों ने सेठजी की बीमारी बताई और उन्हें स्वस्थ करने का निवेदन किया। शाम को महात्मा हवेली पहुंचे तो सेठ अपने कमरे की खिड़की से बाहर नजर गड़ाए थे। घास-फूस की एक झोंपड़ी में रह रहा मजदूर अपनी पत्नी और पुत्र-पुत्रियों के साथ हंस-खेल रहा था। महात्मा ने पूछा, 'परमात्मा का दिया तुम्हारे पास सब कुछ है, उसके बाद भी तुम दुखी क्यों हो भक्त?' सेठ ने उसी झोंपड़ी की ओर देखते हुए कहा, 'अभावों में भी वे सुखी क्यों हैं।

एशिया-अफ्रीका मैत्री का प्रतीक बांडुंग

बांडुंग सम्मेलन में एशियाई-अफ्रीकी देशों ने उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद से मुक्ति की साझा भावना के साथ 29 देशों और क्षेत्रों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और नेता एकत्रित हुए थे। जिसकी अध्यक्षता इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो ने की थी और इसमें एशिया से 23 और अफ्रीका से 6 देश शामिल थे। इंडोनेशिया का खूबसूरत शहर है बांडुंग... बांडुंग की जो चीज लोगों को सबसे ज्यादा पसंद है, वह है शहर का ठंडा मौसम...शायद इस शहर की ठंडी तासीर ही थी कि शीत युद्ध की गर्मी के खिलाफ अफ्रीका और एशिया के देशों ने ठीक सत्तर साल पहले 1955 में यहां जुटान रखी और दो ध्रुवों में तब बंटी दुनिया की बजाय अपनी अलग राह चुनी। बीते 18 अप्रैल को इस शहर ने एशिया-अफ्रीकी संबंधों और आपसी सहयोग की नई नींव रखने की सत्तरवीं सालगिरह मनाई है। सत्तर साल पहले इस आयोजन को बांडुंग सम्मेलन कहा जाता है। इसी सम्मेलन के छह साल बाद 1 से 6 सितंबर, 1961 के बीच तत्कालीन यूगोस्लाविया की राजधानी बेलग्रेड में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी गई। बांडुंग सम्मेलन को विशेष रूप से एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन के नाम से जाना जाता है। यहां के एक नागरिक पोपोंग ओत्जे जुंजुनन ने चीनी समाचार एजेंसी शिन्हुआ से उस सम्मेलन को विशेष रूप से याद करते हुए कहा कि 1955 में जब यह ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था, तब बांडुंग आज के इंडोनेशिया से बिल्कुल अलग तरह का था। इस सम्मेलन में एशियाई-अफ्रीकी देशों ने उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद से मुक्ति की साझा भावना के साथ 29 देशों और क्षेत्रों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और नेता एकत्रित हुए थे। जिसकी अध्यक्षता इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो ने की थी और इसमें एशिया से 23 और अफ्रीका से 6 देश शामिल थे। इस बीच इंडोनेशिया ने शिक्षा, अर्थव्यवस्था और परिवहन में प्रगति के माध्यम से पिछले सात दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसी दौरान इंडोनेशिया-चीन सहयोग के चलते जकार्ता-बांडुंग हाई-स्पीड रेलवे चल रही है। जिसकी वजह से दोनों शहरों की दूरी अब चार घंटे की बजाय महज 30 मिनट में पूरी हो जाती है। पोपोंग ने हाल ही में बांडुंग स्थित अपने घर पर शिन्हुआ को बताया, इसी बांडुंग सम्मेलन के बाद तकरीबन सभी देशों से उपनिवेशवाद खत्म हो गया है और अब एशियाई और अफ्रीकी देश आर्थिक और राजनीतिक रूप से अपना पुनर्निर्माण कर रहे हैं। वैश्विक विकास मानवीय संबंधों, विशेषकर सीमा पार संबंधों को लेकर इस सम्मेलन के देश आगे बढ़ रहे हैं। इसकी ही वजह से आज एशिया और अफ्रीका के देश नजदीक आ रहे हैं और उनकी आर्थिकी एक-दूसरे पर निर्भर करती है। बांडुंग में इस बार सिर्फ औपचारिक आयोजन हुआ। लेकिन बांडुंग अब एशिया और अफ्रीका के घने होते रिश्तों का प्रतीक बन गया है। सम्मेलन के मुख्य सिद्धांत राजनीतिक आत्मनिर्णय, संप्रभुता के लिए परस्पर सम्मान, गैर-आक्रामकता, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना और समानता थे। ये मुद्दे सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए केंद्रीय महत्व के रहे, जिनमें से अधिकांश हाल ही में औपनिवेशिक शासन से उभरे थे। इन्हीं सिद्धांतों को गुटनिरपेक्षता की नीति के मुख्य उद्देश्यों के रूप में बाद में अपनाया गया था। औपनिवेशिक डच ईस्ट इंडीज काल के दौरान बांडुंग का आधिकारिक नाम बांडोएंग था। बहरहाल बांडुंग भावना दक्षिण-दक्षिण सहयोग की भावना को प्रेरित करती है। इसे इस सम्मेलन के साठवीं सालगिरह पर आयोजित कार्यक्रम में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के 100 से अधिक विकासशील देशों ने भाग लिया था। बांडुंग का महत्व यह है कि यहीं से एशिया और अफ्रीका के साथ लाने की पहल शुरू हुई थी।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5579

	9	6		4			3	
	5	7	8	2				
1			9			5		
		9		1				8
5								2
4				9		6		
		4			3			1
				7	9	2	6	
	2			5		9	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5578

2	3	5	6	4	7	9	8	1
1	8	9	5	3	2	4	7	6
7	4	6	8	9	1	2	5	3
4	5	1	9	7	8	3	6	2
3	6	8	1	2	5	7	9	4
9	7	2	3	6	4	5	1	8
6	9	7	4	1	3	8	2	5
8	1	3	2	5	9	6	4	7
5	2	4	7	8	6	1	3	9

वर्ग पहेली 5579

संकेत: बाएं से दाएं

1. ये भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध तथा प्रतिभाशाली अभिनेता हैं जिनका 20 जुलाई 1950 को जन्म दिन है. (7)

7. स्वभाव, प्रकृति, जीवन चरित (3)

8. पाठशाला, विद्यालय (4)

14. लेखनी, कर्णिका, हस्तलेख (3)

15. राहनुमा, पथ प्रदर्शक (4)

17. शिक्षा देने की क्रिया या भाव, पढ़ाई, दीक्षा, तालीम (3)

18. पथ, मार्ग, रास्ता, डगर (2)

ऊपर से नीचे

1. प्रारब्ध, किस्मत, भाग्य (3)

5. प्रसन्न, हर्षित, खुश, आनंदित (3)

6. अक्षर, वर्ण (3)

वर्ग पहेली 5578 का हल

बड़े बालाजी मंदिर परिसर में हुआ कवि सम्मेलन

देर रात तक चला काव्यपाठ का सिलसिला, श्रोताओं ने जमकर आनंद लिया, पं. रामनारायण शर्मा काव्य अलंकरण सम्मान विख्यात कवि गोविन्द राठी को दिया

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। श्री हनुमान जन्मोत्सव के तहत पुराना बस स्टेण्ड मंदसौर स्थित चमत्कारी श्री बडे बालाजी मंदिर परिसर पर शनिवार की रात्रि को विराट अ.भा. कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ जो देर रात्रि तक चलता रहा। देश के ख्यातनाम कवियों के काव्यपाठ का श्रोताओं ने जमकर आनंद लिया।

प्रारंभ में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित, प्रवासी समुदाय प्रमुख रवींद्रसिंह बुंदेला, समिति अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा व उपस्थित समस्त कविजन ने भगवान बालाजी व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया। अतिथियों ने पं. रामनारायण शर्मा काव्य अलंकरण सम्मान विख्यात कवि गोविन्द राठी शुजालपुर को प्रदान किया। कवि सम्मेलन में हास्य कवि गोविंद राठी शुजालपुर, हास्य रस कवि दिनेश देशी घी शाजापुर, हास्य रस कवि चेतन चर्चित दिल्ली, गीतकार कैलाश मण्डेला शाहपुरा, हास्य रस कवि कुलदीप रंगीला देवास, वीर रस कवि नरेन्द्र अटल महेश्वर, श्रृंगार रस कवयित्री सोनल जैन सूरत, वीर रस कवयित्री श्रद्धा शौर्य नागपुर व हास्य रस कवि मुन्ना बेट्री मंदसौर अपनी कविताओं की प्रस्तुति दी। कवि मुन्ना बेट्री पहलगाम घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि जंग लगी तलवारों का अब जंग छुडाना ही होगा, ग़द्दारो को रण भूमि में मार गिराना ही होगा, जीना हो खुद्दारी से तो केवल इतना याद रहे, इजराइल के जैसे अब हथियार उठाना ही होगा। कवि श्रद्धा शौर्य नागपुर ने महाराणा की परिपाटी से उन्नत जिनके भाल नहीं, जयचंदों के सम्मुख जिनके रूप बने विकराल नहीं, हजरत महल, अब्दुल हमीद तो पूजे हैं हमने लेकिन, अकबर जिनके अब्बा हैं वो भारत माँ के लाल नहीं। सुनाकर माहौल वीर रस से भर दिया। कैलाश मण्डेला ने नापाक मुल्क ने तुझे शैतान बनाया, हथियार देके हाथ में हैवान बनाया, मासूम लहू लकीरें खींचने वालों, जन्नत को भी तुमने यहां श्मशान बनाया। उस मुल्क की बर्बादी का ऐलान बनेगा, शैतान की औलाद है शैतान बनेगा। सुनाकर तालियां बटोरी। कवि नरेंद्र अटल ने कविता मातृभूमि की गौरव गाथा जीवन भर हम गाएंगे, पूछेगी जब भी यह दुनिया परिचय, यही बताएंगे, इसकी माटी और रक्त का जन्म जन्म का नाता है, गौत्र हमारा राष्ट्र धर्म कुलदेवी भारत माता है प्रस्तुत की।

भगवान बालाजी की महिमा दर्शित करते हुए चेतन चर्चित ने कविता आंजनेय तेरा जयघोष करे पूर्ण विश्व, कृपा वर्षा तुम्हारी सबपे घनी रहे, हमको बना लो आप दास निज चरणों का, हम पर भी कृपा श्री राम की बनी रहे। सुनाई। कुलदीप रंगीला देवास ने गली गली में, उस श्रद्धा के नाम के दुखडे ना होते, छत्तीश गुण अपना लेती तो पैंतीस टुकडे ना होते सुनाकर वाहवाही लूटी। तो वहीं कवि गोविंद राठी ने सोश्यल मीडिया पर बनाई जा रही रील पर तंज कसते हुए कहा कि नई उम्र की नई हवस के अभिलाषी ने रील बनाकर, सच का सत्यानाश किया सत्यानाशी ने रील बनाकर, जाने कितनी धूल गिरी थी संस्कार की आंखों में, कपडे झाड लिए जब अपने अय्याशी ने रील बनाकर। प्रारंभ में अतिथियों एवं कवियों का स्वागत मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. दलीप शर्मा, प्रवक्ता रवि ग्वाला समिति के सदस्यगण विनय दुबेला, नरेश चंदवानी, दिनेश जोशी (ऊँ शांति), अनिल कियावत, चौथमल शर्मा, सज्जनलाल खमेसरा, नारायण पालीवाल, अनिल सुराह, महेन्द्रसिंह सिसोदिया, शिवशंकर सोलंकी, कपिल सोलंकी, राजाराम तंवर, जीवनलाल गोसर, वरदीचंद कुमावत, मुन्ना बैटरी, विनोद रूनवाल आदि ने किया। संचालन वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी ने किया व आभार दिनेश जोशी ने माना।

भारत विकास परिषद शाखा का दायित्व ग्रहण समारोह संपन्न

नीमच, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पीड़ित मानवता की सेवा प्रदर्शन का नहीं आचरण का कर्म है। प्राचीन काल में राजा महाराजा और साधु संत एक हाथ से दान करते थे तो दूसरे हाथ को भी पता नहीं चलता था इसलिए दान और पीड़ित मानवता की सेवा दिखाकर नहीं छुपा कर करना चाहिए। यदि हमने समाज सेवा का कोई कार्य फेसबुक व्हाट्सएप पर अपलोड कर दिया तो उसका पुण्य 10प्रतिशत ही रह जाता है इसलिए समाज सेवा का प्रदर्शन नहीं करें उसे गुप्त रूप से करें तभी उसका सार्थक पुण्य फल मिल सकता है।

चित्तौड़गढ़ जिले के विजयपुर नरसिंह द्वारा मंदिर के संत ब्रह्मानंद नारायणी ने कही। वे सीएसवी अग्रोहा भवन में भारत विकास परिषद के दायित्व शपथग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भक्ति का कभी भी प्रदर्शन नहीं करना चाहिए। समाज की सेवा का धर्म कठोर होता है जिस प्रकार शंकर भगवान ने जहर पीकर अमृत समाज के लिए दिया इस प्रकार हमें भी सामाजिक बुराइयों को मिटाकर अच्छाइयों को फैलाना चाहिए तभी हमारे पिछड़े समाज का विकास हो सकता है। कश्मीर के पुलवामा हमले में 26 लोग मारे गए हैं इसका परिणाम 10 -12 दिन में हमारे सामने आएगा जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की होगी और यह आतंकवादी बुराइयां धरती पर से हमेशा के लिए मिट जाएगी। हिंदू साधु संतों की बुराई नहीं हो ऐसा प्रयास करना चाहिए। हमारा जीवन राष्ट्र सेवा में लगे हमें यही लक्ष्य रखना चाहिए। इस अवसर पर विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि परिषद के प्रत्येक कार्यकर्ता और सदस्य सेवा प्रकल्प से जुड़े हुए हैं। हिंदुओं पर अत्याचार अब सहन नहीं किया जाएगा समय आने पर हिंदू संगठित और शक्तिशाली होकर इसका जवाब देगा। रक्तदान, देह दान के क्षेत्र में भी परिषद नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। परिषद के माध्यम से नीमच क्षेत्र में अनेक महापुरुषों की प्रतिमा स्थापित की है। और मातृशक्ति के सम्मान के लिए रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा की स्थापना भी शीघ्र की जाएगी। इस अवसर पर विधायक दिलीप सिंह परिहार ने राज्य सरकार की विधायक नीधि से 151हजार रु की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश चौधरी ने ग्रामीण क्षेत्र के एक विद्यालय के विद्यार्थियों को स्वेटर तथा 50 रक्तदान यूनिट के स्थाई सेवा प्रकल्प में सहयोग करने की घोषणा की।

मोरवन में एक निजी क्लीनिक सील

नीमच, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नीमच डॉ. दिनेश प्रसाद ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक शिकायत पर मोरवन में संचालित एक निजी क्लीनिक को सील कर दिया गया है। शिकायतकर्ता द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर शिकायत की गई थी कि मोरवन में एक निजी क्लीनिक संचालक शिव प्रजापति द्वारा बगैर अनुमति के एक्स रे का कार्य किया जा रहा है। इस पर बीएमओ डीकेन डॉ राजेश मीणा एवं उनकी टीम ने उक्त शिकायत की जांच कर 25 अप्रैल को मोरवन पहुंचकर उक्त निजी क्लीनिक को सील कर दिया है।

हाकी खिलाडियों ने जीता स्वर्ण पदक

नीमच, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला हॉकी संघ के सचिव बाबूराम छेत्री ने बताया कि ग्वालियर में आयोजित 25 से 26 अप्रैल 2025 में केंद्रीय विद्यालय रीजनल अंडर-17 महिला हॉकी प्रतियोगिता में नीमच ने हर बार की तरह इस बार भी लगातार 10 वी बार स्वर्ण पदक जीत कर अपने नाम किया फाइनल मुकाबला में नीमच ने मंदसौर को 3- 0 से हराकर मेडल अपने नाम किया इस टीम की कप्तान प्रभलीन कौर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ! साथ ही टीम के खिलाडियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा चारुल पाटीदार, वंशिका नागदा, रिधिमा सिंह ,दक्षिका लोहार, जिज्ञासा शर्मा, अविका शर्मा ,चेष्ठा शर्मा, स्मृति पटेल ,नंदिनी मीना, आस्था रानी ,अंजलि , हितांशी, हेमनंदिनी, वैष्णवी केंद्रीय विद्यालय नं 1 के प्राचार्य प्रियदर्शनी गर्ग के योगदान के बिना यहाँ सम्भव नहीं था ! हॉकी कोच परवेज खान, प्रियंका जौहरी , शैलेश एवं नेहा ने पूरी टीम को बधाई दी। जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष राजेश जैन, इम्तियाज खान ,धर्मेन्द्र गुरुंग, उमा भटनागर, अक्षय पुरोहित, ने खिलाडियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

तीन छात्राओं का मप्र सब जूनियर बालिका हैंडबाल टीम में चयन

दलौदा, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वाधान में कर्नाटक हैंडबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित सब जूनियर बालिका राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता 30 अप्रैल से 4 मई तक पांडवापुरा कर्नाटक में आयोजित होगी। प्रतियोगिता हेतु मध्यप्रदेश हैंडबॉल टीम की घोषणा मध्यप्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन अध्यक्ष दीपक जैन टीनू व महासचिव हरदीप सिंह रुप्पल ने की। प्रतियोगिता में श्री साई पब्लिक स्कूल दलौदा की छात्राएं निधि पाटीदार कक्षा 9वी पिता मानक लाल पाटीदार ग्राम पालडी, धारणा धनगर कक्षा दसवीं पिता हरिशचंद्र धनगर ग्राम अफजलपुर एवं मीनाक्षी

धनगर कक्षा दसवीं पिता राजाराम धनगर ग्राम अफजलपुर का चयन हुआ है।

इस अवसर पर श्री सॉई पब्लिक स्कूल, दलौदा के संचालक श्री मोहसिन अख्तर, सहायक संचालक श्री नबील अख्तर, उप प्राचार्य श्री मनोज कुमार शर्मा एवं खेल प्रशिक्षिक जयेश माली ने विद्यार्थियों एवं उनके माता-पिता को शुभकामनाएँ प्रेषित की एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की । यह जानकारी विद्यालय के शिक्षक हितेश शर्मा ने दी।

युगांश भटनागर का कायस्थ समाज ने किया सम्मान

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर 307वीं रैंक हासिल करने वाले कायस्थ समाज के गौरव श्री युगांश भटनागर का कायस्थ समाज ने चित्रगुप्त मंदिर में सम्मान किया।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान चित्रगुप्त की आरती से हुई, जिसे श्री युगांश भटनागर ने संपन्न किया। इसके बाद कायस्थ समाज के पदाधिकारियों अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र माथुर, उपाध्यक्ष श्री राजनारायण भटनागर, श्री महेंद्र भटनागर, श्री कृष्णकांत श्रीवास्तव, श्रीमती रमा माथुर, श्री शरद गौड, और श्री विक्रम भटनागर ने उन्हें शॉल, श्रीफल एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया। कायस्थ समाज की ओर से श्री युगांश भटनागर एवं उनके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ दी गई। विश्वास व्यक्त किया गया कि वे अपने पद पर रहकर राष्ट्र सेवा के साथ-साथ कायस्थ समाज तथा दशपुर धरा

(भगवान पशुपतिनाथ मंदसौर) का भी नाम रोशन करते रहेंगे। सम्मान पत्र का वाचन एवं कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष श्री दीपेश श्रीवास्तव ने किया।

सीतामऊ ग्रामीण मंडल की संगोष्ठी संपन्न

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। आज तितरोद में डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जन्मशताब्दी के उपलक्ष में एक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। इस अवसर पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। माननीय अतिथियों का स्वागत मंडल अध्यक्ष धनसुख पाटीदार द्वारा दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष माननीय नानालाल अटोलिया, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनिल पटेल, सीतामऊ मंडल मंडल अध्यक्ष धनसुख पाटीदार मंडल पदाधिकारी की उपस्थिति में संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस संगोष्ठी का संचालन मंडल महामंत्री देवेंद्र सिंह जी ने किया आभार घनश्याम जी धानक ने माना।

सेन जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित किया संगीतमय सुंदरकाण्ड

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। गुजराती सेन समाज द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संत शिरोमणि श्री सेनजी महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर स्वामी कृष्णानन्द सेन छात्रावास परिसर में संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन स्वामी ऋषियानंद सत्संग मंडल के प्रमुख और सेन समाज के गौरव श्री महेश गेहलोद के नेतृत्व में किया गया।

सुण्दरकाण्ड के पाठ में बडी संख्या में समाजजन शामिल हुए। इस दौरान सत्संग मण्डल द्वारा प्रस्तुत सुमधुर भजनों पर उपस्थित समाजजनों ने भाव विभोर होकर भक्ति नृत्य व कीर्तन कर भक्ति रस का खूब आनन्द लिया। सुण्दरकाण्ड के पश्चात् महाआरती का

आयोजन किया गया तत्पश्चात् उपस्थितजनों को प्रसादी वितरित की गई। स्वामी ऋषियानंद सत्संग मंडल के प्रमुख महेश गेहलोद, अभय जैन, कैलाश टांडी, घनश्याम सोनी, चन्द्रशेखर द्विवेदी, राजेश कुमार खरे, बंशीलाल टांक, रामनारायण गंधर्व, प्रांशुल खत्री, रतनलाल चौहान, संतोष गंधर्व का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। गुजराती सेन समाज के नारायणलाल गेहलोत, वरदीचंद खिंची, रविन्द्र चौहान, डॉ. राजेश बोराना, सागरमल बोराना, प्रहलाद परिहार, एड. राजेश सौलंकी, एड. उमेश परमार, शेखरराज चौहान, राकेश सेन सम्राट, अर्जुनसेन राठौर (छोटू), अंतिम देवडा, मनीष राठौर (मोनू), हरिश परमार, अनिल परिहार, विजय जागीरदार, राजेश परिहार, सतीश देवडा, राजेश परमार, मुकेश चौहान, अशोक परमार, अमरचंद राठौर, प्रमोद चौहान, ब्रजेश टांक, राजेश चौहान, बद्रीभाई गेहलोद, बादल परिहार, दीपक गेहलोद, घनश्याम परमार, महेश परिहार, विजय गेहलोद (गोटू), मनोज गेहलोत सहित सभी समाजजन उपस्थित रहे।

जिले में आज राजस्व विभाग द्वारा सीमांकन अभियान

नीमच, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार के आज 28 अप्रैल को जिले में सीमांकन का अभियान ,राजस्व विभाग द्वारा चलाया जा रहा है। ।'एक दिन अधिकतम सीमांकन 'के तहत

पूर्व के प्रकरणों जिनमे सीमांकन हो चुका है राजस्व अधिकारी ऐसे प्रकरण जिनमे सीमांकन के आदेश हो चुके हैं उन्हें पोर्टल पर अपलोड करेंगे। संयुक्त कलेक्टर डॉ ममता खेडे ने बताया कि जो प्रकरण सीमांकन उपरांत राजस्व अधिकारियों के यहां पेशी पर हैं और जहां विवाद रहित निराकरण की संभावना है ऐसे सभी काश्तकारों को बुलाकर राजस्व अधिकारी सीमांकन प्रकरणों का अंतिम निराकरण करेंगे। शेष मामलों में प्रत्येक तहसील को कम से कम 30 सीमांकन 28 अप्रैल को फील्ड पर करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित पटवारी जिन हल्कों में सीमांकन नहीं है वे अन्य हलकों में सीमांकन कार्य का पूर्ण करवाएंगे। जिले के सभी तहसीलदारों नायब तहसीलदारों को 28 अप्रैल को सीमांकन अभियान के तहत अधिकाधिक सीमांकन प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए है।

बिना मुंडेर के कुओं के मालिकों पर हो कठोर कार्यवाही

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नारायणगढ थाना क्षेत्र के कचरिया फंटे

पर बिना मुंडेर के कुएं में वाहन गिरने से हादसे में कई लोगों ने अपनी जान असमय गंवा दी। यह पहला हादसा नहीं है इसके पूर्व मंदसौर जिले में कई ऐसे हादसे हो चुके हैं लेकिन लापरवाही के चलते कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई जिस कारण इतना बडा हादसा हुआ है। इस मामले में शहर कांग्रेस कमेटी मंदसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह सिंह तोमर ने कलेक्टर मंदसौर से मांग की है कि जिले के रास्तों में पढ रहे बिना मुंडेर के कुओं की जांच कर कर उनके मालिकों को मुंडेर बनाने के निर्देश दिए जाएं, अगर कोई कुएं का मालिक मुंडेर नहीं बनता है तो ऐसे कुओं को बंद करने का कार्य शक्ति के साथ प्रशासन को करना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे हादसे नहीं हों। डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने कचरिया फटे पर हुए हादसे में मृतकों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की है।

गुलाब बावड़ी में स्वच्छता के लिए किया श्रमदान

नीमच, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा और जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के निर्देशानुसार गुलाब बावडी, जावद में स्वच्छता के लिए रविवार को श्रमदान किया गया। जन अभियान परिषद मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के एमएसडब्ल्यू बीएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं , परामर्शदाताओं ने स्वच्छता के लिए श्रमदान कर बावडी परिसर और घाट की साफ सफाई की । जन अभियान परिषद के कक्षा संचालक ताराचंद पाईवाल द्वारा बताया गया कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जिला प्रशासन के निर्देशानुसार जन सहयोग से विकासखंड में छात्र-छात्राओं एवं परामर्शदाताओं द्वारा तालाब स्वच्छता, नदी घाट सफाई, बावडी सफाई, जल चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को छात्र-छात्राओं द्वारा गुलाब बावडी जावद में स्वच्छता के लिए श्रमदान किया गया। बावडी स्वच्छता श्रमदान में वार्ड पार्षद प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवांकुर संस्था सदस्य छात्र उपस्थित थे।

एक मई को मजदूर दिवस मनाया जावेगा- सीटू

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। 27 अप्रैल को नगरपालिका मंदसौर के सभा भवन में सीटू जिला समिति की मीटिंग बैंक एम्पलाइज यूनियन के अध्यक्ष रमेशचन्द्र जैन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें विभिन्न ट्रेड यूनियनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

उक्त मीटिंग में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि एक मई की शाम 6 बजे सभी संगठन एक साथ गांधी चौराहा पर अपनी यूनियनों के झण्डे व बैनर लेकर एकत्रित होंगे तथा मजदूर दिवस मनाते हुए अपनी एकजूटता का परिचय देकर नफरती साजिशों को विफल करेंगे। उक्त मीटिंग को सीटू जिला समिति के महासचिव गोपालकृष्ण मोड, दैनिक वेतनभोगी यूनियन से बालूसिंह, राजू पहाड, आंगनवाडी से संगीता जैन, आशा उषा से माधुरी सौलंकी तथा आरआरबी यूनियन से अशोक सौलंकी तथा मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव यूनियन से महेश धनोतिया एवं सफाई कामगार यूनियन से गौतम कल्याणी व नवीन मकवाना ने संबोधित किया।

पेंशनर महासंघ की मासिक मिलन बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ नगर मंदसौर की मासिक मिलन बैठक जिला कार्यालय वरिष्ठ नागरिक सदन दया मंदिर रोड मंदसौर पर आहूत हुई।

बैठक की अध्यक्षता जिला परामर्शदाता श्री श्रवण कुमार त्रिपाठी ने की। जिला सह सचिव श्री अनिल श्रोत्रिय मंचासीन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला सचिव महिला श्रीमती शकुंतला चौहान ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, संगठन गीत नगर कोषाध्यक्ष श्री संजय महाराणा ने प्रस्तुत किया। बैठक में विषय सूची अनुसार नगर को 17 इकाइयों में सदस्यता की समीक्षा की गई। इकाई वाईज सदस्यता की जानकारी ली गई। उपस्थित इकाईयों के पदाधिकारियों प्रतिनिधि गण द्वारा अपनी-अपनी इकाई की जानकारी दी तथा इस कार्य में आ रही समस्याओं से अवगत कराया। अन्य विषय मे संगठन को मजबूत करने तथा सदस्य संख्या बढाने पर विचार विमर्श किया गया। अधिक से अधिक नवीन सदस्य बनाने का संकल्प लिया गया। पहलगाम कश्मीर में हुए नरसंहार की निंदा का प्रस्ताव पास किया गया जिसमें भारत सरकार से कठोर से कठोर कार्यवाही करने का आग्रह किया गया। इस संबंध में परामर्शदाता श्री श्रवणकुमार त्रिपाठी, जिला सचिव महिला श्रीमती शकुंतला चौहान, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती चन्द्रकला सेठीया, जिला सह सचिव श्री अनिल श्रोत्रिय, जिला प्रचार सचिव श्री भूपेश पाण्डेय ने आपने विचार रखे। यह तय किया गया कि स्थानीय डे केयर सेंटर पर एक श्रद्धांजलि सभा की जावे तत्पश्चात रैली के रूप गांधी चौराहा तक जाकर इस जघन्य घटना का विरोध किया जावेगा। जिसकी दिनांक, समय की सूचना प्रथक से जारी की जावेगी। बैठक में जिला परामर्शदाता श्री श्रवण कुमार त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती चन्द्रकला सेठीया, जिला सचिव महिला श्रीमती शकुंतला चौहान, जिला सह सचिव श्री अनिल श्रोत्रिय, जिल कोषाध्यक्ष श्री कोमल वाणावर, जिला प्रचार सचिव श्री भूपेश पाण्डेय, जिला कार्यालय प्रमुख श्री विष्णुलाल भदानियां, नगर इकाई कोषाध्यक्ष श्री संजय महाराणा, नगर सचिव श्री अशोक नागदा, गीताभवन इकाई अध्यक्ष श्री गोपालदास रामावत, सचिव श्री अमृतलाल पाण्डेय, अभिनंदन इकाई संगठन सचिव श्री श्यामलाल सोनी आदि पेंशनर नागरिक एवं सदस्य गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफ़ल संचालन नगर सचिव श्री अशोक नागदा ने आभार जिला कोषाध्यक्ष श्री कोमल वाणावर ने माना। कार्यक्रम के अन्त में संगठन के जिला कार्यकारिणी सदस्य वजेराम चरेडिया, वरिष्ठसदस्य कमलदास रामावत, अशोक कुमार शर्मा के असामयिक निधन हो जाने से तथा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में नरसंहार में शहिद हुए 27 दिवंगत आत्माओं को दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह जानकारी प्रचार सचिव श्री भूपेश पाण्डेय ने दी।

सार्थक संस्था ने सैनिक स्कूल में अर्थ डे एवं जल गंगा संवर्धन पर कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सार्थक संस्था द्वारा मंदसौर ने सैनिक स्कूल के 200 छात्रों के साथ सरस्वती विद्या मंदिर में अर्थ डे एवं जल गंगा संवर्धन के संदर्भ कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य ग्लोबल वार्मिंग, और उसके व्यापक दुष्परिणाम, आने वाले समय की पर्यावरणीय चुनौतियों से परिचित कराने, एवं उनसे निपटने के लिए छात्र अपने दायित्वों का किस तरह से निर्वहन करेंगे था। भूजल स्तर में निरंतर हो रही गिरावट, प्लास्टिक से पटी पडी नदियों के कारण जल स्रोतों के उत्पन्न संकट के बारे में भी सार्थक की फाउंडर द्वारा अपने उद्बोधन में छात्र छात्रों को आगाह एवं सचेत किया। वर्चुअल जंगल वॉक के माध्यम से अनेक जानकारियां प्रकृति के संबंध में दी गई। क्विज प्रतियोगिता के लिए छात्रों के चार समूह बनाए गए, क्विज के माध्यम से श्रीमती रचना दोषी, श्रीमती अंजना पटेल, श्रीमती विजयलक्ष्मी द्वारा पर्यावरण के बढ़ते प्रदूषण के प्रति ,पानी के संकट के प्रति एवं प्लास्टिक के उपयोग से हो रहे प्रदूषण के प्रति छात्रों की जागरूकता को परखा। एक रोचक प्रश्न में छात्रों से गांधी सागर में छोडे गए चीतों के नाम पूछे गए जिसे छात्रों द्वारा त्वरित उत्तर में पावक और प्रभास बताया गया। एक अन्य गतिविधि में छात्रों को रियूज के माध्यम से पेपर बैग बनाने का प्रशिक्षण श्रीमती चंद्रकला सिंह द्वारा दिया गया। संस्था की फाउंडर डॉ. उर्मिला तोमर ने बताया इस आयोजन में संस्था इस बात से बहुत प्रभावित हुई की सैनिक छात्र बडे मेधावी अनुशासित और जागरूक दिखाई दिए। सैनिक स्कूल एवं सरस्वती विद्या मंदिर का स्टाफ इस पूरी अवधि में बहुत सहयोगी रहा। कार्यक्रम के अंत में क्विज प्रतियोगिता में शील्ड एवं बर्ड फीडर देकर विजेताओं को सम्मानित किया गया।

भाजपा के 21 मंडलों में सम्मान समारोह एवं वक्फ बोर्ड संगोष्ठी सम्पन्न

गुप्ता, गुर्जर, दीक्षित, डंग, सिसोदिया, यशपाल, राठौर, धाकड़, अटोलिया, पाटीदार, कियावत, काला सहित अनेक वक्ताओं ने विभिन्न मंडलों में दिया मार्गदर्शन

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में बाबा साहेब अंबेडकर जयंती अंतर्गत विभिन्न प्रकार के संगठनात्मक, रचनात्मक कार्यक्रम जिले में मंडल स्तर और बूथ स्तर पर सम्पन्न हो रहे है। कल जिला मुख्यालय पर ऐतिहासिक प्रबुद्धजन संगोष्ठी एंव सम्मान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसी क्रम में दिनांक 27 अप्रैल को जिले के समस्त संगठनात्मक मंडलो में डॉ.अंबेडकर जयंती अंतर्गत सम्मान कार्यक्रम एवं वक्फ बोर्ड संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के पूर्व पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया और कार्यक्रम को संगठन एप्प पर अपलोड किया। मन की बात कार्यक्रम पश्चात डॉ.अंबेडकर सम्मान संगोष्ठी एवं वक्फ बोर्ड संगोष्ठी के वक्ता के रूप में जिला भाजपा द्वारा वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं संगठन पदाधिकारियों को विभिन्न मंडलों में भेजा गया।

लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता ने मंदसौर जिले की मल्हारगढ़ विधानसभा के मल्हारगढ़ मण्डल अंतर्गत बूथ क्र. 52 में कार्यकर्ताओं के साथ श्रवण किया। मंदसौर भाजपा उत्तर मंडल में राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, संजय मुरडिया, धुधंडका मंडल में भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित, जगदीश परमार, सुवासरा मंडल में विधायक हरदीपसिंह डंग, चन्द्रप्रकाश पंडा, भानपुरा मंडल में विधायक चन्दरसिंह सिसोदिया, बलवंतसिंह पंवार, मंदसौर दक्षिण मंडल में पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया, प्रितेश चावला, भैसोदा मंडल में पूर्व विधायक देवीलाल धाकड, राजेश सेठिया, खडावदा मंडल में जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, राहुल मुजावदिया, मंदसौर ग्रामीण मंडल में सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, राजेश नामदेव, सीतामऊग्रामीण मंडल में भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, सुनिल पटेल, गुर्जरबर्डिया मंडल में भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष मानसिंह माछौपुरीया, जनपद अध्यक्ष बंसत शर्मा, दलौदा मंडल में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, हितेश शुक्ला, शामगढ़ भाजपा नेता अजयसिंह चौहान, जितेन्द्रसिंह चौहान, पिपल्यामण्डी मंडल में पिछडा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, शिवराजसिंह राणा, कयामपुर मंडल में भाजपा नेता हिम्मत डांगी, अशोक सूर्यवंशी, बसई मंडल में भाजपा नेता शांतीलाल मालवीय, ओमप्रकाश परमार, मगरामाताजी मंडल में व्यापारी प्रकोष्ठ जिला संयोजक विजय सुराना, राजकुमार गुप्ता, गरोठ मंडल में पिछडा मोर्चा जिलाध्यक्ष रणजीतसिंह चौहान, अजय तिवारी, मल्हारगढ़ मंडल में भाजपा जिला मंत्री नरेन्द्र पाटीदार, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुकेश काला, बूढ़ा मंडल में भाजपा नेता नरेश चंदवानी, तेजपालसिंह शक्तावत, सीतामऊ मंडल में जीवन शर्मा, विक्रमसिंह चौहान, मेलखेड़ा मंडल में अर्जुन सोनी, धीरज संघवी, सतीश खुराना आदि ने डॉ.अंबेडकर जयंती अभियान अंतर्गत प्रबुद्धजन संगोष्ठी एवं वक्फ बोर्ड संगोष्ठी के प्रमुख बिंदुओं से पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को अवगत करवाया। वक्ताओं ने डॉ.भीमराव अंबेडकर जन्म जयंती अभियान अंतर्गत आयोजित संगोष्ठी में मार्गदर्शन देते हुए कहा की बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने हर वर्ग के कल्याण और सामाजिक समरसता के लिए कार्य किया। बाबा साहब ने दलितों और वंचितों के सम्मान के लिए हमेशा काम किया है। कांग्रेस ने हमेशा ही बाबा साहब का अपमान किया है। बाबा साहब समान नागरिक संहिता के पक्ष में थे परंतु देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने हिंदू कोड बिल लागू नहीं होने दिया। नेहरू के कारण बाबा साहब ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस ने बाबा साहब को अपमानित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ा। बाबा साहब को भारत रत्न देने का काम भाजपा समर्थित सरकार ने किया है। बाबा साहब के नाम से पंच तीर्थों के निर्माण का काम भाजपा की सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में किया है। आज महू नागपुर लंदन दिल्ली और मुंबई के पंच तीर्थ से पहचान मिली है। कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर को संविधान सभा का प्रमुख नहीं बनने दिया। देश और दुनिया में उनका सम्मान बढ़ाने का काम भाजपा ने किया है। हमारी सरकारों ने सामाजिक न्याय के लिए संविधान में बदलाव किए। लेकिन कांग्रेस ने अपनी कुर्सी बचाने और निजी स्वार्थ के लिए संविधान में बदलाव किए। उन्होंने सिर्फ संविधान की रचना ही नहीं की बल्कि देश को कई ऐसे विचार दिये, जो वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भी हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। हमें इस संगोष्ठी के माध्यम से बाबा साहब के विचारों को मंडल के प्रत्येक बूथ पर रहने वाले नागरिकों के बीच ले जाना होगा।

वक्फ बोर्ड संगोष्ठी विषय को लेकर मुख्य वक्ता गणों ने कहा की इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य गरीब मुसलमानों को लाभ पहुंचाना और वक्फ संपत्तियों की लूट व दुरुपयोग को रोकना है। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यह विधेयक किसी भी धार्मिक संस्था में हस्तक्षेप नहीं करता है। सरकार का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, न कि धार्मिक मामलों में दखल देना। वक्ताओं ने कहा कि विपक्षी दल इस विधेयक के बारे में लोगों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने उन मुद्दों पर लोगों को भ्रमित किया जो वास्तव में विधेयक का हिस्सा नहीं हैं। लोकसभा और राज्यसभा में विधेयक पर व्यापक चर्चा हुई और इसे अपेक्षित समर्थन प्राप्त हुआ। यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करेगा, जिससे भ्रष्टाचार को रोका जा सकेगा। इस संगोष्ठी के माध्यम से हमारा आप सभी मंडल के पदाधिकारियों से आग्रह है की वक्फ संशोधन बिल के महत्वपूर्ण तथ्यों को समझकर सकारात्मक बिंदुओं को बूथ स्तर पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति तक पहुचाये जिससे की कांग्रेस सहित तमाम विपक्षीय दलों की साजिश का पर्दाफाश हो सकें। आयोजित संगोष्ठी में मंडल में निवासरत जिला पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगण, मोर्चा अध्यक्ष एवं पदाधिकारी गणों के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

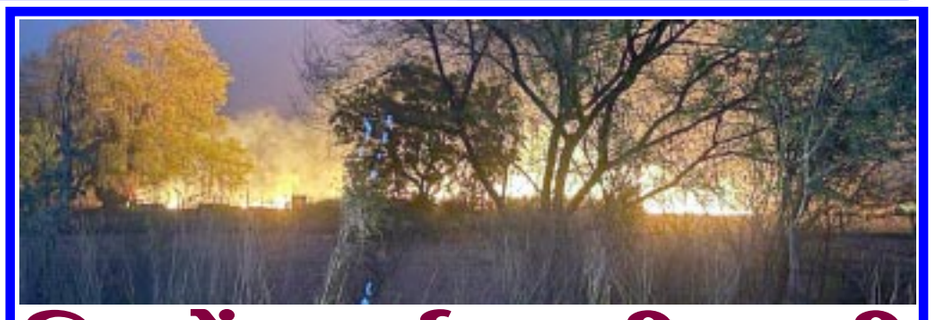

दिन में जलाई जा रही पराली पकड़ में नहीं आ रही..!

एक सौ में से दस मामलो में भी नहीं हो रही कार्यवाही

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रतिबंध के बावजूद बड़ी संख्या में किसान फसल काटने के बाद नरवाई (पराली) जला रहे हैं। पहली बार शासन स्तर से सैटेलाइट के जरिये नरवाई जलाने पर निगरानी रखी जा रही है। हालांकि ये 10 फीसदी मामले भी नहीं पकड़ पा रहे हैं। वो भी रात के वक्त जहां नरवाई जल रही, उन लोकेशन को ट्रेस कर रहा है। जो किसान दिन में नरवाई जला रहे, वे रेंज से दूर हैं। शासन-प्रशासन सिर्फ नरवाई नहीं जलाने और विकल्पों के प्रचार तक सीमित है। सबसे जरूरी किसानों को वैकल्पिक संसाधन उपलब्ध करवाना है, जिस पर किसी का ध्यान नहीं है। तमाम प्रयासों के बावजूद नरवाई जलाने के आंकड़े कम नहीं हो रहे हैं। सैटेलाइट रिपोर्ट के आंकड़े ही देखें तो अप्रैल में अब तक प्रदेशभर में 25 हजार मामले सामने आए। आईसीएआर की सैटेलाइट रिपोर्ट में मंदसौर जिले में अब तक नरवाई जलाने को 81 घटनाएं सामने आई हैं। 08 साल में पहली बार राजस्व व कृषि विभाग ने कार्रवाई करते हुए अब तक 28 किसानों से 01 लाख से ज्यादा का जुर्माना भी वसूल लिया है।

ऐसे पता चलता है नरवाई जली या नहीं...

आईसीएआर यानि इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट सैटेलाइट के जरिए नरवाई बर्निंग केस दर्ज करता है। जिस मैदानी इलाके में आग लगने की घटना नजर आती है। सैटेलाइट उस इमेज को कैम्बर कर गांव, तहसील और जिले के साथ लैटीट्यूड और लॉटिट्यूड के साथ रिकॉर्ड जनरेट कर संबंधित राज्य के एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग डायरेक्टोरेट को भेजता है। कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय आईसीएआर-क्रीम्स से मिले सैटेलाइट डेटा को जिले बार अलग-अलग करने के साथ संबंधित जिले के कलेक्टर और कृषि विभाग के डीडीओ को नरवाई जलाने के मामलों को गांव बार डिटेल शीट भेजता है। जिला प्रशासन राजस्व अमले के जरिए गांव में जाकर ये सत्यापन करता है कि किस किसान ने नरवाई जलाई है। सत्यापन के बाद किसान के खिलाफ जरूरी कर्मवाई की जाती है।

खेती की उत्पादकता को हो रहा नुकसान, प्रदूषण भी बढ़ रहा...

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार खेतों में आग से वायु प्रदूषण तो होता ही है। लेकिन, बड़ा नुकसान खेती की उत्पादकता में हो रहा। मिट्टी में कई लाभदायक जीवाणु हैं जो आग से मर जाते हैं। मिट्टी की ऊपरी लेयर ठोस होती जा रही है। इससे बारिश में पानी बहकर निकल जाता है। भूजल रिचार्ज नहीं हो रहा और जल धारण क्षमता घट रही है। जैसे पहले बैल से हंकाई संभव थी। फिर 35, 45 और अब 60 हार्सपावर के ट्रैक्टर से हंकाई करना पड़ रही। नरवाई जलाने पर प्रतिबंध और डिप प्लाऊ से इसे सुधारा जा सकता है। इससे उत्पादकता भी बढ़ेगी।

✻ शव यात्रा ✻

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है की स्व.लक्ष्मीनारायण जी मरमट (रेवास देवड़ा वाल`) के पुत्र, पुष्करराज मरमट के पुज्य पिताजी, रुद्रराज के दादाजी श्री

राजकुमार जी मरमट का आकस्मिक निधन आज दिनाँक 27-4-2025 रविवार शाम को हो गया जिनकी अंतिम यात्रा कल दिनाँक 28-4-2025 सोमवार को प्रात: 8 बजे नीज निवास हनुमान नगर रामटेकरी मंदसौर से शव वाहन द्वारा मुक्तिधाम मन्दसौर जाएगी।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
पुष्कराज मरमट, मरमट परिवार रेवास देवड़ा, मन्दसौर

✻ शोक बैठक ✻

अत्यंत दु:ख के साथ सुचित किया जा रहा है कि हमारे कंवरसा श्री रवीन्द्र कुमार जी रावंका (सुपुत्र स्व. श्री महेन्द्र कुमार जी रावंका, जयपुर) का असमायिक निधन 25

अप्रेल-2025 को हो गया है। जिनकी शोक बैठक 28-अप्रेल-2025 सोमवार को कुबेर हाल श्रेयांसनाथ मंदिर के पास, मंदसौर पर रात्रि 7:30 से 9:30 बजे तक रखी गई हैं।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
सनत कुमार, सूरज कुमार, देवेंद्र कुमार, राजकुमार, अजय कुमार, शैलेन्द्र, पीयूष, यश, अमित, सौरभ, अर्पित, प्रिंस, अभिलाष एवं समस्त बाकलीवाल परिवार

✻ उठावना ✻

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है की कन्हैयालाल, कारूलाल, सुरेशचन्द्र, ओम प्रकाश, मनोहर, प्रदीप, राजेश कुमार, मुकेश, रामेश्वर, सुनिल, अनिल, अरविंद, मनीष, दिव्येश के कॅवर साहब एवं

अभिषेक, प्रतीक, हर्षित, युवराज, लक्ष्य, नियांश के फूफाजी श्री दीपक जी सोनी (प्रतापगढ्ढ वाले) का स्वर्गवास दि. 26/04/25 शनिवार को हो गया है। जिनका उठावना दि. 28/04/25 सोमवार को फतेहपुरिया अग्रवाल धर्मशाला पुराना बस स्टैंड मन्दसौर पर सुबह 10:00 बजे रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
कारूलाल, राजेश कुमार सोनी, एवम् समस्त खजवानिया परिवार (अफजलपुर वाला) मन्दसौर

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पूरा भारत एक साथ-शुक्ला

मन की बात सुनी, वक्फ बिल की जानकारी और आतंकी घटना में शहीदों को श्रद्धांजलि दी

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। दलौदा मंडल के गांव कचनारा में बूथ क्रमांक 273 ओर 274 जिला अध्यक्ष राजेश जी दिक्षित एवं मंडल अध्यक्ष विकास सुराना के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात का कार्यक्रम सीधा प्रसारण देखा। भाजपा जिला उपाध्यक्ष हितेश शुक्ला ने वक्फ बिल के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। एवं उपस्थित ग्राम वासियों ने एक स्वर में पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे आतंकवाद के खिलाफ भारत सरकार से कठोर कार्यवाही का आग्रह किया। पहलगाँव में हुए आतंकी हमले में शहीदों को श्रद्धांजलि दी। का जिसमें पूर्व युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष हितेश जी शुक्ला, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष शासकीय महाविद्यालय जनभागीदारी समिति दलोदा के अध्यक्ष हेमंत धनोतिया, हारुन कुरैशी सरपंच, फतेहसिंह आंजना पूर्व सरपंच, तेज सिंह सोलंकी धर्मेन्द्र सिंह सोलंकी पूर्व सरपंच मनोहर लाल आंजना बूथ अध्यक्ष, गोपाल चौहान बूथ अध्यक्ष, घनश्याम डाबी, नवीन राठौर, राम भाटी, चिन्टु राजावत जनप्रतिनिधि, समस्त कार्यकर्ता एव ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष शुक्ला ने कहा कि वक्फ बिल मुस्लिम समाज के हीत में है। विपक्ष द्वारा फैलाए गए झूट के बारे में बताते हुए। बिल के

बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि विपक्षी हमेशा देश को अंधेरे में रखने का काम कर वोटबैंक की राजनीति करता रहा है। उनको ताकतवर होते देश और भाजपा पर जनता का विश्वास रास नही आ रहे। धारा 370, सीएए को तरह ही वक्फ बिल पर भी जमीन हड़पने और कई तरह के भ्रम फैलाने की कोशिश की लेकिन भारतवासियों ने हमेशा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी पर विश्वास जताया उन्होंने कहा कि अभी भी आतंकी घटना के बाद पूरा देश जाती धर्म पंथ और राजनीति से उपर उठकर एक है और मजबूती से आतंकवाद के खिलाफ आर पार की लड़ाई में भारत सरकार के साथ है यही भारत की ताकत है। अंत मे आभार तेजसिंह सोलंकी ने माना।

पहलगाम घटना की विद्वता परिषद् ने की निंदा

पिपलियामंडी, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 27 निर्दोष लोगों की हत्या के विरोध में स्थानीय आर्य समाज एवं विद्वता परिषद के संयुक्त तत्वाधान में सामूहिक शोकसभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पूर्व आर्य समाज प्रमुख सत्येंद्र आर्य के मार्गदर्शन में सामूहिक हवन आयोजित कर वेद मंत्रों से यज्ञ में आहुति देखकर भगवान से दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान देने की कामना की। इस अवसर पर अध्यक्ष श्यामलाल बोरना, अंबालाल कारपेंटर, मोहनलाल राठौड़, साहेब पामेचा, शांतिदास बैरागी, रामचंद्र आर्य, गोपाल लोहार, सुनील राठौर, पत्रकार बाबूलाल नागर सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन ओमप्रकाश गहलोत ने किया।

एमपी हाईकोर्ट का फैसला...

50 हजार से अधिक छात्रों की परीक्षाएं 28-29 अप्रेल से हर हाल में हो, कमेटी को किया भंग

जबलपुर, 27 अप्रेल। एमपी में नर्सिंग कालेजों में हुए बड़े फर्जीवाड़ा व परीक्षाओं में बार बार हो रही देरी पर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा कि 2022-23 सत्र की लंबित परीक्षा अब हर हाल में 28 व 29 अप्रैल को आयोजित की जाए।

नर्सिंग छात्रों की परीक्षा पहले चार बार टाली जा चुकी है, दो बार दो बार मेडिकल यूनिवर्सिटी व दो बार एमपी नर्सिंग काउंसिल की ओर से। कोर्ट के इस निर्देश से 200 डिग्री व 400 से अधिक डिप्लोमा कॉलेजों के 50 हजार से अधिक छात्रों को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने यह भी साफ कर दिया है कि नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता से जुड़े मामलों में गठित उच्च स्तरीय कमेटी की भूमिका अब समाप्त हो चुकी है। अब किसी भी कॉलेज का मामला कमेटी को नहीं सौंपा जाएगा। नर्सिंग कॉलेजों में फर्जी मान्यता व छात्रों की लंबित परीक्षाओं को लेकर दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की स्पेशल बेंच जस्टिस संजय द्विवेदी व जस्टिस अचल कुमार पालीवाल ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने एमपी नर्सिंग काउंसिल व मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी को निर्देशित किया कि तय परीक्षा तिथियों में अब किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि 2020-21 व 2021-22 सत्र की परीक्षा भी तय समय पर नहीं हो पाई थी, 2024 में आयोजित की गई थी। अब 2022-23 सत्र की परीक्षा 2025 में कराई जा रही है। हाईकोर्ट ने नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया से संबंधित हाईलेवल कमेटी को भी भंग कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्टकिया कि अब कोई भी मामला सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति राजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली इस कमेटी को नहीं भेजा जाएगा। यह कमेटी सीबीआई जांच में डेफिशियेंट पाए गए कॉलेजों की जांच कर उन्हें उपयुक्त या अनुपयुक्त घोषित कर रही थी। अब आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए सभी कॉलेजों को सीधे एमपी नर्सिंग काउंसिल के समक्ष आवेदन करना होगा व मान्यता से संबंधित अंतिम निर्णय वही लेगी। हाईकोर्ट के इस फैसले से एमपी नर्सिंग काउंसिल और मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी से जुड़े डिप्लोमा और डिग्री कोर्सों में पढ़ाई कर रहे करीब 50 हजार से ज्यादा छात्रों को राहत मिलेगी। अब उनकी परीक्षा तय समय पर होगी।

700 में सिर्फ 200 कालेज ही सही पाए गए- जनहित याचिका में लॉ स्टूडेंटस एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल ने आरोप लगाया था कि राज्य में सैकड़ों नर्सिंग कॉलेज ऐसे चल रहे हैं। जिन्हें जरूरी संसाधन, स्टाफ, लैब व अस्पताल की व्यवस्था के बिना ही मान्यता दे दी गई। हाईकोर्ट की निगरानी में हुई सीबीआई जांच में खुलासा हुआ कि राज्य के 700 कॉलेजों में से केवल 200 ही तय मापदंडों पर खरे उतरे, जबकि बाकी कॉलेजों को फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर मंजूरी दी गई थी।

इन पर कार्यवाही का निर्णय लम्बित- हाईकोर्ट की ओर से फर्जीवाड़े में संलिप्त अधिकारियों और संस्थानों पर कार्यवाही को लेकर अभी अंतिम फैसला आना बाकी है। वहीं छात्र लगातार परीक्षा टलने से मानसिक व शैक्षणिक रूप से प्रभावित हो रहे थे। सुनवाई के दौरान शासन की ओर से अपर महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी, याचिकाकर्ता विशाल बघेल व उनके अधिवक्ता आलोक वाग्रेचा मौजूद रहे।

पक्षियों का जीवन बचाने के लिए बांटे परिंडे

रामपुरा/नीमच, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भीषण गर्मी में पक्षी तथा जीव जंतु पानी की तलाश करते हैं। ऐसी स्थिति में प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य होता है कि पक्षियों को शीतल जल उपलब्ध कराए ताकि उनके जीवन की रक्षा हो सके। इसी उद्देश्य को लेकर मध्य प्रदेश की संस्था बी.आर. फाउंडेशन द्वारा बेजुबान पशु पक्षियों को भोजन पानी उपलब्ध कराने केलिए 21हजार सकोरे जल पात्र लगाती है।। आज संस्था द्वारा नीमच जिले के रामपुरा में 500सौ सकोरे आम लोगों में नि:शुल्क वितरित किए। एवं सार्वजनिक प्रशासनिक जगह पर लगाए गए।। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्था के संस्थापक कृष्ण परिहार द्वारा हरि झंडी दिखाकर की गई।। वहीं लालबाग चौक से सरकारी अस्पताल तक हर दुकान पर सकोरे वितरण किए। वहीं सरकारी अस्पताल, नवोदय विद्यालय, पीजी कॉलेज, आईटीआई,

पुलिस थाना में परिंडे लगाएं गए।। एवं प्रतिदिन पानी डालने का संकल्प लिया। उक्त कार्यक्रम में संस्था के रामपुर टीम ईकाइ के पदाधिकारी पंकज बामणिया, सूरज धनगर, अरविंद दांगी, विष्णु मालवीय, आयुषी अरोड़ा, सफलता मुजावदिया, शिल्पा सेठीया, शिवानी मुजावदिया, अंतिम सेन, नेहा सुथार, प्रेरणा सुथार, दीपांशु झा, हेमंत मेघवाल, पवन सोलंकी, यशवंत रेगर, प्रहलाद, अरुण आदी संस्था के पदाधिकारी एवं आम लोग मौजूद रहे।

भाई-भाई का प्रेम राम भरत जैसा होना चाहिए-पं.शर्मा

नीमच, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। बालाजी नवयुवक मंडल रामपुरा दरवाजा के तत्वाधान में नौ दिवसीय अमृत कलश स्थापना महोत्सव एवं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित श्री राम कथा वीर हनुमान मंदिर रामपुरा दरवाजा जावद स्थित हनुमान मंदिर राम दरबार पर पुजा अर्चना से हुआ। कथा में महिलाएं लाल पीले परिधानों मे सहभागी बनीं। श्री राम कथा में श्री राम के जीवन चरित्र पर आधारित विभिन्न भजनों की स्वर लहरियां बिखर रही थी।

श्री राम कथा के द्वितीय दिवस श्री राम जी की पूजा अर्चना के बाद राम कथा में उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए पंडित दशरथ शर्मा भाई जी ने कहा कि गुरु जो कहता है वह धर्म होता है। भरत ने जो किया था वह धर्म बन गया था। भाई को आपस में प्रेम से रहना चाहिए। भाई भाई में कभी विवाद हो जाए तो संवाद नहीं छोड़ना चाहिए संवाद करे तो समस्या का समाधान हो सकता है। भाई का भाई के प्रति प्रेम राम भरत जैसा होना चाहिए। राम की चरण पादुकाओं को सिंहासन पर रखकर स्वयं जमीन में गड्ढा खोदकर 14 वर्ष तक राम

को ही आदर्श मानकर भरत ने 14 वर्ष तक अयोध्या में शासन किया था। ऐसे भाई का प्रेम दुनिया में कहीं देखने को नहीं मिलता है। राम कथा को सुनते-सुनते हृदय भर जाना चाहिए। तभी तो राम कथा सुनना सार्थक होता है।, 10 साल से भाई भाई से बात नहीं करता है और दोनों राम कथा सुनने जाते हैं तो उनका राम कथा सुना सार्थक नहीं होता है। सास बहू को बेटी की तरह प्यार दे तो हर घर में रामराज आ जाए। बहु भी सास को मां की तरह प्यार करे तो वह घर स्वर्ग बन सकता है। लड़कों के विवाह नहीं हो रहे इसलिए सास बहू दोनों एक दूसरे से प्रेम पूर्वक घर में रहे तो घर मंदिर बन सकता है।जिस घर में सुनने वाले कम हो उस घर की प्रगति कभी नहीं हो सकती है। अच्छा सुनेंगे तो अच्छा बोलेंगे इसलिए सदैव अच्छी बातें ही सुनना चाहिए। मनुष्य जीवन में कान भजन कीर्तन और अच्छी बातें सुनने के लिए बने हैं। गलती को ठीक कर ले उसे इंसान कहते हैं। मथरा दासी की बातों ने श्री राम जी को 14 वर्ष का वनवास दिला दिया और राजा दशरथ का प्राणांत हो गया था। अयोध्या में पहले और बाद में कभी भी ऐसा दु:ख नहीं आया था। विश्वास आत्मा का धर्म है विश्वास अजर अमर है। जो राम रसायन लेता है वह रोगी बनता ही नहीं है। हरि नाम जप करने से संसार का कल्याण होता है। हरि का भजन जाप करें तो पाप कर्म कष्ट मिट सकते है। हरि सत्संग में आने से विवेक का ज्ञान मिलता है। क्या देखना है क्या सुनना है। यह सत्संग सिखाएगा। शबरी की नवधा भक्ति होती है। कथा सुनाना भी चौथी भक्ति होती है। जिसने जवानी में सत्संग किया होगा उसे बुढ़ापे में हरि भजन खूब मिलेगा। धर्म -सभा में भागवत आचार्य पंडित रुद्रदेव त्रिपाठी जावद ने कहा कि श्री राम की मर्यादा को जीवन में उतारें। श्री कृष्ण की लीला को केवल समझना है करना नहीं, श्री राम प्रभु का नाम ही सीधा है।राम-राम बोलो या मरा मरा बोलो तो भी भगवान प्रसन्न हो जाते हैं। राम की अद्भुत महिमा है। जितना भगवान का नाम लिया जाए इस जगत में और यह सारे पुराण कहते हैं राम भगवान के नाम का कीर्तन करते रहे। राम नाम जाप कभी छोड़ना नहीं चाहिए। श्री राम के नाम से पत्थर तैर गए थे और रामसेतु बन गया था।राम का नाम कल्याण करने वाला हैं। शिव स्वयं श्री राम के अनन्य भक्त हैं। समुद्र मंथन में हला हल विश पान किया था। राम नाम का जाप करने से कल्याण हो सकता है।

शिव पार्वती विवाह आज- श्री राम कथा के मध्य आज महाराज दशरथ शर्मा भाई जी द्वारा आज शिव पार्वती विवाह प्रसंग के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महत्व प्रतिपादित करेंगे।

पेड़ पर फन्दे से लटका मिला किसान का शव

पिपलियामंडी, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। गांव हरसोल में शनिवार रात्रि एक किसान का शव स्वयं के खेत पर पेड़ पर फन्दे से लटका मिला। प्रारंभिक तौर पर मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। आत्महत्या का कारण पता नही चल पाया। जानकारी के अनुसार शनिवार रात्रि 9 बजे करीब गांव हरसोल में सोमिया मार्ग पर पेड़ पर फन्दा बनाकर लटके व्यक्ति को राहगीर ने देखा तो गांव में सूचना दी। ग्रामीण मौके पहुंचे व पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पहुंची व शव नीचे उतरवाया। शव की शिनाख्त गांव हरसोल निवासी बनेसिंह (40) पिता मांगूसिंह राजपूत के रुप में हुई। आत्महत्या का कारण पता नही चल पाया। बताया गया मृतक किसान था। उसके दो बेटी व एक बेटा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में महाप्रसादी सम्पन्न

मंदसौर, 27 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। रविवार को नईआबादी स्थित श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में महाप्रसादी का आयोजन सम्पन्न हुआ। श्री सिद्धी विनायक गणपति उत्सव समिति के द्वारा आयोजित इस महाप्रसादी में लगभग 15 हजार से अधिक धर्मालुजनों ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की। महाप्रसादी के आयोजन के लिये समिति के द्वारा एयर कंडीशनर पंडाल की व्यवस्था भी की गई। जिसे सभी ने सराहा। रविवार को महाप्रसादी के पूर्व मंदिर परिसर में गणेशजी की प्रतिमा के सामने हवन का आयोजन किया गया। जिसमं कई जोड़ों ने भारतीय परिधान में बैठकर धर्मलाभ लिया। हवन की पूर्णाहुति एवं महाआरती के उपरांत कन्या पूजन भी हुआ। इन कार्यक्रमों में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, सांसद सुधीर गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, भाजपा मण्डल अध्यक्षगण विनोद डगवार, अरविन्द सारस्वत, भाजपा नेता अनिल कियावत, धीरज पाटीदार, नरेन्द्र पाटीदार ने पहुंचकर धर्मलाभ लिया। इन सभी का स्वागत संरक्षक राजेन्द्र अग्रवाल, अध्यक्ष पप्पू चंदवानी, सचिव पारस मावर, सहसचिव निलेष जैन, कोषाध्यक्ष योगेश याज्ञनिक, उपाध्यक्ष सुरेश कालानी, अशोक छिंगावत, पवन जैन एचएम, मयंक मावर, संजय भाटी पत्रकार, राकी यादव आदि के द्वारा दुपट्टा पहनाकर किया गया। संचालन सचिव पारस मावर ने किया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी संजय भाटी ने दी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in